12.21 hrs.

PAPER LAID ON THE TABLE

BUDGET ESTIMATES OF EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION TOGETHER WITH 'PERFORMANCE-*cum*-PROGRAMME STATEMENT AND BUSINESS TYPE BUDGET'.

The Deputy Minister in the Ministry of Labour and Employment and for Planning (Shri C. R. Pattabhi Raman): I beg to lay on the Table a copy of the Revised Estimates for the year 1963-64 and the Budget Estimates for the year 1964-65 of the Employees' State Insurance Corporation, under section 36 of the Employees' State Insurance Act, 1948, together with 'Performance-cum-programme Statement and Business type Budget'.

[Placed in Library. *See* No. LT-2599/64].

ESTIMATES COMMITTEE

FIFTIETH REPORT

Shri A. C. Guha (Barasat): I beg to present the Fiftieth Report of the Estimates Committee on 'Public Undertakings—Accommodation rented in principal cities; and guest houses, staff cars etc., maintained by them.

12.22 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS—contd.

MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE—contd.

Mr. Speaker: The House will now take up further discussion and voting on the Demands for Grants under the control of the Ministry of Food and Agriculture.

Shri Bishwanath Roy may now continue his speech.

श्री क० ना० तिवारी (बगहा) : मैंने एक मोशन दिया है कि फुड एंड एग्रीकल्चर पर बहस के लिए तीन घंटा समय और बढ़ा दिया जाए ।

अध्यक्ष महोदय : आपने मोशन दिया था कि तीन घंटा समय बढ़ाया जाए । मैंने देखा कि पहले ही हम इस पर आठ घंटे खर्च कर चुके हैं और अब डेढ़ घंटे और खर्च करेंगे, और फिर मिनिस्टर घंटा सवा घंटा लेंगे । तो तीन घंटे बढ़ाने का आपका मतलब तो हल हो गया । मैं फिर मोशन को क्यों लाता ।

श्री विश्वनाथ राय (देवरिया) : माननीय अध्यक्ष जी, कल मैं इस बात पर जोर दे रहा था कि राष्ट्रीय आय में जिस साधन का ५० प्रतिशत से अधिक योग दान है, जिस साधन से जनता के ८० प्रतिशत से कुछ अधिक लोगों का जीवन निर्वाह होता है, तथा जिस साधन पर कुछ बड़े बड़े उद्योग धन्धे आधारित हैं, उस साधन की तरफ सरकार का ध्यान पहली, दूसरी और तीसरी योजना में उतना नहीं रहा है जितना उद्योग धंधों की ओर रहा है । इसका एक मोटा प्रमाण यह है कि कृषि का उत्पादन बढ़ाने के लिए सिंचाई के वास्ते जो पावर मिलती है उसका रेट उस पावर से अधिक होता है जो उद्योग धंधों को फैक्टरियां चलाने के लिए दी जाती है ।

दूसरी बात किसानों के लिए चकबन्दी की है । यह बहुत जरूरी और सुविधाजनक कार्य है । लेकिन उसकी गति अगर इतनी धीमी रही जैसी कि वर्तमान में है, तो इस सुविधा का लाभ किसान को बीस साल के पहले पूरी तरह नहीं मिल पाएगा ।

इसके अतिरिक्त नए ढंग के औजारों का प्रश्न है, जिसके बारे में प्रधान मंत्री जी प्रायः कहा करते हैं कि किसानों को कई सौ वर्ष पुराने औजारों के स्थान पर नए ढंग के औजारों को अपनाना चाहिए ताकि खेतों की जुताई में और पैदावार बढ़ाने में सुविधा हो ।